

54

पत्रावली प्रसूता मूल वादपत्र २१८ के  
विषय ०१ १५ के तहत खारिज होने के  
बाद इस अंतर्गत अन्वेषित मिलेचारा का  
कोई औचित्य नहीं रहा। अतः उक्त पत्रावली  
पत्र खारिज किया जाता है। पत्रावली के तहत  
देकर दायित्व दूर हो क इस प्रकार से

अनु हो।

सुरेश राव आर.ए.एस  
उपखण्ड अधिकारी  
अनूपगढ़

